जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

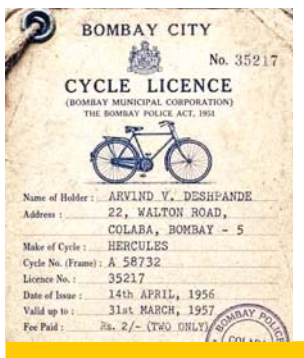
BOMBAY CITY
No. 35217
CYCLE LICENCE
(BOMBAY MUNICIPAL CORPORATION)
THE BOMBAY POLICE ACT, 1951
Name of Holder : ARVIND V. DESHPANDE
Address : 22, WALTON ROAD, COLABA, BOMBAY - 5
Make of Cycle : HERCULES
Cycle No. (Frame) : A 58732
Licence No. : 35217
Date of Issue : 14th APRIL, 1956
Valid up to : 31st MARCH, 1957
Fee Paid : Rs. 2/- (TWO ONLY)

When one needed permit to cycle!

By the 1970s, the BMC scrapped cycle license. The irony? They were spending more on making brass tokens than earning from the rupee 2 tax

The Walker's License

"Walking license" existed, which documented a "brisk" pace, fixed routes, and permitted distances for individuals, acting as a "paper trail" for everyday life

भारत दुनिया को विविधता में एकता का बोध कराता है- भागवत

आरएसएस प्रमुख ने न्यूयॉर्क के सम्मेलन में धर्म को संतुलन कायम रखने वाला सिद्धांत बताया

- **इस कार्यक्रम में अमेरिका के 39 राज्यों तथा 853 शहरों के 6000 प्रतिनिधियों, विभिन्न विश्वविद्यालयों के 250 छात्रों तथा 250 से अधिक संगठनों ने भाग लिया।**
- **समारोह में आये 30 देशों के 180 धार्मिक नेताओं ने स्पष्ट रुप से कहा कि धर्म का उपयोग नफरत, अपमान व हिंसा को उचित ठहराने के लिये नहीं किया जा सकता।**

न्यूयॉर्क, 30 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने आज यहां कहा कि हर राष्ट्र का एक संदेश, मिशन और नियति होती है। भारत की नियति दुनिया को विविधता में एकता का बोध कराना है। विविधता एकता को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे सजाती है।

न्यूयॉर्क के मैनहैटन में अहैड फोरम की ओर से आयोजित यूनिवर्सल वननैस सेलिब्रेशन में मोहन भागवत ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि हर देश का एक संदेश होता है, हर देश का एक मिशन होता है और हर देश की एक नियति होती है जिसे उसे पूरा करना होता है। भारत की नियति क्या है? भारत का काम है विविधता में एकता को खुद समझना और समय-समय पर दुनिया को भी इसका एहसास कराना। उन्होंने कहा कि विविधता का उत्सव मनाया जाना चाहिए। उसका सम्मान होना चाहिए और उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही लोगों को एकता की भावना को भी अपने भीतर बनाए रखना चाहिए।

मोहन भागवत ने भारतीयों से अपने आचरण के माध्यम से विविधता में एकता का संदेश देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मनुष्यों के शरीर, पहनावे और उपासना पद्धितयां अलग हो सकती हैं। इसके बावजूद एक स्थायी तत्व सभी को जोड़ता है। उन्होंने इसकी तुलना एक ही धागे से जुड़े माला के अलग-अलग मोतियों से की। उनके अनुसार यही आत्मतत्व सभी के बीच एकता का आधार है।

भागवत ने कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुख हासिल करना नहीं है। भारतीय परंपरा में जीवन का उद्देश्य सत्य की खोज और मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ ना बताया गया है। इसमें दुनिया के कल्याण के लिए काम करना भी जोड़ा गया है।

उन्होंने धर्म को संतुलन कायम रखने वाला सिद्धांत बताया और उसकी व्याख्या की। उनके अनुसार धर्म केवल रिलिजन या उपासना का विषय नहीं है। यह व्यक्ति, समाज और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने की व्यवस्था है।

उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में अमेरिका के 39 राज्यों और 853 शहरों से आए 6,000 प्रतिनिधियों, विभिन्न विश्वविद्यालयों के 250 से अधिक छात्रों और 250 से अधिक संगठनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 30 देशों के 180 धार्मिक नेताओं ने भविष्य के प्रति जिम्मेदारी तय करने के लिए पांच सूत्रीय कार्ययोजना की घोषणा की।

धार्मिक नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि धर्म का इस्तेमाल नफरत, अपमान, अमानवीय व्यवहार या हिंसा को उचित ठहराने के लिए नहीं किया जा सकता। 'एक विश्व, एक मानवता' के आ ान के साथ पारित प्रस्ताव में किसी भी समुदाय की गरिमा और सुरक्षा के लिए खड़े होने की प्रतिबद्धता जताई गई।

प्रधानमंत्री मोदी को उज़्बेकिस्तान का सर्वोच्च राजकीय पुरस्कार मिला

नई दिल्ली, 30 अगस्त। उज़्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्ज़ियोयेव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश के सर्वोच्च राजकीय पुरस्कार 'ओलिय दराजाली दोस्तलिक' (सर्वोच्च मैत्री सम्मान) से सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि उज़्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान

- **मोदी ने उज़्बेकिस्तान के राष्ट्रपति को विश्वास दिलाया कि भारत इस मित्रता को पूरा निभाएगा।**

पाना उनके लिए बहुत ही गर्व के पल है। उन्होंने कहा, यह सम्मान 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान है और मैं सभी भारतवासियों की तरफ से उज़्बेकिस्तान के लोगों का, यहां की सरकार का और मेरे मित्र आदरणीय राष्ट्रपति जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री ने सम्मान को बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि भारत अपनी जिम्मेदारियों से कभी पीछे नहीं हटेगा और इस मित्रता को पूरी तरह निभाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर वैश्विक दक्षिण की संयुक्त आवाज बनेंगे और उसके कल्याण तथा पूरी मानवता के हित में समर्पण के साथ काम करेंगे।

प्रधानमंत्री ने सम्मान को दोनों देशों की सदियों पुरानी मित्रता और साझा विरासत को समर्पित करते हुए कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्र सरकार ग्लेशियल झीलों पर अर्ली वॉर्निंग सिस्टम लगायेगी

नेपाल -तिब्बत बॉर्डर पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद इस कार्य में तेजी आई

- **एक सरकारी अधिकारी के अनुसार दुनिया में करीब 1.5 करोड़ लोग जीएलओएफ, अर्थात झीलों के फटने से आने वाली बाढ़ के खतरे वाले क्षेत्र में रहते हैं। इनमें से आधे से ज्यादा लोग भारत, पाकिस्तान, पेरु और चीन में हैं।**

नई दिल्ली, 30 अगस्त। केंद्र सरकार इंडियन हिमालयन रीजन की उन 188 अहम झीलों के पास अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने की कोशिशें तेज कर रही है, जिनमें ग्लेशियर झील के फटने से बाढ़ आने का खतरा है। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ में 600 से अधिक लोगों की मौत के बाद इस काम में तेजी लाई गई है। एक सरकारी अधिकारी ने वैज्ञानिक अध्ययनों का हवाला देते हुए बताया कि 1990 से 2018 के बीच ग्लेशियल झीलों की संख्या में 53 प्रतिशत और उनके सतही क्षेत्रफल में 51 प्रतिशत की बढ़ ोतरी हुई है। इन झीलों के बढ़ ते आकार और संख्या से निचले इलाकों में रहने वाली आबादी के लिए खतरा बढ़ रहा है।

अधिकारी ने बताया कि दुनिया में करीब 1.5 करोड़ लोग जीएलओएफ, यानी झीलों के फटने से आने वाली बाढ़ के खतरे वाले क्षेत्रों में रहते हैं। इनमें आधे से ज्यादा लोग भारत, पाकिस्तान, पेरू और चीन में हैं।

हाल के वर्षों में ग्लेशियर झील के फटने से आने वाली बाढ़ की जिन घटनाओं ने भयानक रूप लिया, उसमें 4 अक्टूबर 2023 को सिक्किम के साउथ ल्होनक ग्लेशियल झील फटने से आई बाढ़ और नेपाल में 16 अगस्त 2024 को थ्यानबो ग्लेशियल झील के फटने की घटनाओं ने खतरे को उजागर किया। नेपाल के खुम्बू क्षेत्र में थामे गांव तबाह हो गया था।

अधिकारी के बताया कि, ये घटनाएं बताती हैं कि जीएलओएफ अलग-अलग और स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि हिंदूकुश हिमालय में क्रायोस्फियर से जुड़ी आपदाओं के बढ़ ते पैटर्न का हिस्सा हैं।

मेघालय में भाजपा के ऑपरेशन लोटस की चर्चा

शिलांग, 30 अगस्त। शिलांग की पहाड़ियों में राजनीतिक हलकों में इस बात की चर्चा जोर पकड़ रही है कि क्या मेघालय में राजनीतिक समीकरण बदलने जा रहे हैं? क्योंकि मेघालय में भी अब ऑपरेशन लोटस शुरू हो गया है। दरअसल, भाजपा के सीनियर विधायक अलेक्जेंडर लालू हेक ने कुछ समय पहले दावा किया था कि कई मौजूदा विधायक भाजपा में शामिल होने की योजना बना रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायकों के सिंगल नाम का पैनल देने पर संगठन ने नाराजगी दिखाई

प्रस्तावित बैठक टाल कर विधायकों को तीन नाम का पैनल लाने के निर्देश दिये

- **भाजपा संगठन टिकट का अंतिम फैसला केवल विधायक या स्थानीय नेता की पसंद के आधार पर नहीं करना चाहती है। हर वॉर्ड के स्थानीय सामाजिक समीकरण, संगठन के फीड बैक दावेदार की सक्रियता, सर्वे व जीत की संभावना को भी कसौटी बनाया जा रहा है।**
- **विधायकों को रात में दुबारा बुलाया गया तथा देर रात प्रत्याशियों के नाम पर मंथन चलता रहा।**

जयपुर, 30 अगस्त। राजस्थान में निकाय चुनाव के टिकटों को लेकर भाजपा में पिछले कई दिनों से चल रहा महामंथन रविवार को अंतिम दौर में पहुंचा, लेकिन टिकटों की खींचतान और नेताओं के बीच मतभेद भी खुलकर सामने आ गए। जयपुर संभाग की बैठक में कई विधायक एक-एक नाम का पैनल लेकर पहुंचे तो संगठन ने नाराजगी जताते हुए उन्हें वापस भेज दिया और प्रत्येक वॉर्ड के लिए तीन-तीन नामों का पैनल तैयार कर रात 8 बजे बाद दोबारा बैठक में आने को कहा। दिन में प्रस्तावित बैठक इसके चलते टल गई और देर रात तक टिकटों पर मंथन चलता रहा।

वहीं भरतपुर संभाग में टिकट को लेकर नेताओं के बीच विवाद की चर्चा रही तो चुनाव संचालन समिति प्रभारी अशोक परनामी को सफाई देनी पड़ी। दूसरी ओर भाजपा मुख्यालय से विजय रथ रवाना होने से पहले पूर्व सांसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छड़ी मुबारक के विसर्जन के बाद अमरनाथ यात्रा का समापन

पहलगाम, 30 अगस्त। पहलगाम में लिद्दर नदी में रविवार को पवित्र छड़ी मुबारक का विसर्जन किया गया, जिससे इस साल की अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक और आध्यात्मिक समापन हुआ। विसर्जन समारोह पूरे धार्मिक

- **इस समारोह के लिये सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई।**

उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। हफ़्तों तक चली प्रार्थनाओं, अनुष्ठानों और पवित्र गुफा की यात्रा के बाद यह वार्षिक तीर्थयात्रा पूरी हुई।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और विसर्जन समारोह के शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए लिद्दर नदी के किनारे राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की माउन्टेन रेस्क्यू टीमों को अलर्ट पर रखा गया था। भगवान शिव का प्रतीक मानी जाने वाली छड़ी मुबारक अमरनाथ यात्रा के पारंपरिक समापन में अहम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नामांकन के आखिरी दिन भी प्रत्याशियों के नाम जारी नहीं कर पाईं दोनों पार्टियां

चर्चाएं हैं कि इस बार परिसीमन में वार्डों की संख्या घटी है, ऐसे में दोनों पार्टियों को बगावत और पुराने दावेदारों की नाराजगी का डर सता रहा है

- **बताया जा रहा है कि, जिन-जिन प्रत्याशियों को टिकट देना तय होगा, उन्हें व्यक्तिगत रुप से सूचना देकर नामांकन दाखिल कराया जाएगा, पार्टी सिंबल भी ऐन मौके पर नामांकन के समय ही दिया जायेगा।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 30 अगस्त। राजस्थान में करीब 2 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद होने जा रहे नगरीय निकाय चुनाव इस बार खासे रोचक होते जा रहे हैं। सोमवार, 31 अगस्त को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है, लेकिन कांग्रेस और भाजपा ने अभी तक अपने प्रत्याशियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं। ऐसे में चुनाव मैदान में उतरने के इच्छुक दावेदारों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं।

हालांकि भाजपा-कांग्रेस के पार्टी कार्यालयों में पिछले करीब एक सप्ताह से पार्षद पद के टिकटों को लेकर लगातार मंथन और जद्दोजहद चल रही है। चर्चाएं हैं कि इस बार टिकट के लिए दावेदारों की लंबी कतार के चलते अंतिम सूची को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

इसका प्रमुख कारण यह है कि जयपुर सहित अधिकांश प्रमुख निकायों में पिछली बार के वार्डों की संख्या घटाकर परिसीमन के नाम पर कम की गई है। जयपुर में पिछली बार ग्रेटर नगर निगम में 150 तथा हैरिटेज नगर निगम में 100 वार्ड थे। इस बार चुनाव में कुल 150 वार्ड ही रखे गए हैं। ऐसे में करीब 100 निवर्तमान पार्षद और उनके वार्डों में चुनाव लड़ चुके दावेदार इस बार टिकट की दौड़ से सीधे तौर पर बाहर हो जाएंगे। वार्डों की संख्या में इस बदलाव ने दोनों दलों के सामने पुराने चेहरों और नए दावेदारों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती भी खड़ी कर दी है।

लंबे अंतराल के बाद हो रहे इन चुनावों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होने के साथ स्थानीय स्तर पर निर्दलीय और अन्य दावेदार भी कई वार्डों में समीकरण बिगाड़ सकते हैं।

चर्चाएं हैं कि दोनों प्रमुख दलों की ओर से जिन उम्मीदवारों को पार्षद का टिकट देना तय होगा, उन्हें व्यक्तिगत रूप से सूचना देकर नामांकन दाखिल कराया जा सकता है। इन प्रत्याशियों को पार्टी सिंबल भी नामांकन के समय ही दिए जाने की संभावना है।

पार्षद प्रत्याशियों के नाम भले ही अभी सामने नहीं आए हों, लेकिन राजधानी जयपुर में चुनावी माहौल दिखाई देने लगा है। चांदपोल और संसार चंद्र रोड पर चुनाव प्रचार सामग्री का बाजार सज चुका है। दुकानों पर भाजपा, कांग्रेस, बसपा, आम आदमी पार्टी, एआईएमआईएम, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी सहित विभिन्न दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों के झंडे, बैनर, दुपट्टे, बिल्ले, स्टिकर और टी-शर्ट बिकने लगे हैं। लाउडस्पीकर और इलेक्ट्रॉनिक चुनाव चिन्ह भी प्रचार के लिए तैयार हैं। प्रचार सामग्री कारोबारियों का कहना है कि सोशल मीडिया, रील्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में प्रचार का तरीका जरूर बदला है, लेकिन जमीन पर चुनावी रंग जमाने के लिए झंडे, दुपट्टे, स्टिकर और टी-शर्ट की मांग अब भी बनी हुई है।

भारत से राहत सामग्री का चौथा विमान काठमांडू पहुंचा

नई दिल्ली, 30 अगस्त। भारत का चौथा विमान रविवार को राहत सामग्री की चौथी खेप लेकर काठमांडू पहुंचा और आपदाग्रस्त नेपाल के लोगों की मदद के लिए राहत सामग्री यहां की सरकार को सौंपी।

विदेशमंत्री डॉ एस जयशंकर ने एक्स पर लिखा, "11 टन राहत सामग्री

- **राहत सामग्री के साथ टनल टेक्निकल टीम व फॉरेंसिक विशेषज्ञ टीम भी भेजी गई है।**

लेकर भारत की चौथी उड़ान काठमांडू पहुंच गई है। यह उड़ान नेपाल में चल रहे बचाव और राहत कार्यों में मदद के लिए जरूरी सामान और तकनीकी क्षमताएं लेकर आई है।"

इसमें सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए उपकरणों के साथ एक टनल टेक्निकल टीम, डीएनए एनालिसिस के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आईएसआई ने संपर्क का तरीका बदला, अश्लील एप्स का उपयोग शुरु

पारंपरिक सोशल मीडिया मंचों के सुरक्षा एजेन्सियों की निगरानी में आने के बाद आतंकियों ने यह रास्ता अपनाया

- **आधिकारियों के अनुसार अश्लील सामग्री वाली वैबसाइट पर वास्तविक समय में संवाद की सुविधा होती है। ये मंच उपयोगकर्ताओं को आसपास के लोगों से संपर्क या मुलाकात करने के नाम पर संचालित होते हैं।**

श्रीनगर, 30 अगस्त। सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकी समूहों द्वारा ऑनलाइन गेमिंग मंचों के दुरुपयोग का खुलासा करने के बाद आतंकियों और उनके आकाओं की एक नयी चाल का पता लगाया है। रविवार को अधिकारियों ने जानकारी दी कि आतंकी अब गुप्त रूप से संवाद करने के लिए अश्लील सामग्री वाली वेबसाइट और विशेष एन्क्रिप्टेड ऐप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

इन गुप्त माध्यमों का इस्तेमाल आतंकी संगठन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई जम्मू-कश्मीर में अपने भर्ती किए गए लोगों तक निर्देश पहुंचाने के लिए कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनका उद्देश्य पारंपरिक सोशल मीडिया मंचों पर सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचना है।

अधिकारियों ने बताया कि इन अश्लील सामग्री वाली वेबसाइट पर वास्तविक समय में संवाद की सुविधा होती है। ये मंच उपयोगकर्ताओं को आसपास के लोगों से संपर्क या मुलाकात कराने के नाम पर संचालित होते हैं, जिनका इस्तेमाल आतंकी आका संदेश भेजने और गतिविधियों के समन्वय के लिए कर रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों ने कई तरह के विशेष डिजिटल उपकरणों को जांच के दायरे में रखा है। अधिकारियों के अनुसार, आतंकी आका डेटा को एन्क्रिप्टेड नोड के जरिये भेजने और उपयोगकर्ताओं की पहचान छिपाने के लिए टोर आधारित मैसेजिंग ऐप्लिकेशन, जैसे कोटेक्स और कोनियन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारत में कोनियन के एपीके (एंड्रॉयड पैकेज किट) तक पहुंच पर प्रतिबंध हैं। एपीके फाइल वह फाइल प्रारूप है, जिसका इस्तेमाल एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम मोबाइल ऐप को वितरित और स्थापित करने के लिए करता है।

इसके अलावा, आतंकी संगठन गोपनीयता पर केंद्रित मंचों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जैसे फ्रांस आधारित एक ऐप, जो बिना सिम कार्ड या फोन नंबर के एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड संदेश भेजने की सुविधा देता है। इससे उपयोगकर्ताओं की पहचान करना मुश्किल हो जाता है।

एजेंसियां वियतनाम आधारित ऐप की भी निगरानी कर रही हैं। इसके साथ ही वे मूनचैट जैसे गुमनाम मंचों पर भी नजर रख रही हैं। मूनचैट के कुछ संस्करण पीजीपी-एन्क्रिप्टेड हैं, जिनके चीनी मूल के होने का संदेह है और ये पारंपरिक पंजीकरण प्रक्रिया को दरकिनार करते हैं।

इनमें से कई अश्लील ऐप भारत में प्रतिबंधित हैं, लेकिन उन्हें वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल कर अवैध तरीके से डाउनलोड किया जा रहा है। वीपीएन इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) पते को छिपाकर और ऑनलाइन गतिविधियों को एन्क्रिप्ट कर इंटरनेट पर एक सुरक्षित और गोपनीय कनेक्शन बनाता है। इससे ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखना और डेटा तक पहुंच बनाना अधिक मुश्किल हो जाता है।

अधिकारियों ने कहा कि आतंकी समूह जम्मू-कश्मीर में युवाओं को भर्ती करने और उन्हें कट्टरपंथ की ओर ले जाने के लिए अश्लील वेबसाइट पर उपलब्ध एन्क्रिप्टेड त्वरित संदेश सेवा का तेजी से इस्तेमाल कर रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि पारंपरिक सोशल मीडिया के इस्तेमाल से अलग अब आतंकी आका इन मंचों के जरिये संभावित लोगों से संपर्क कर रहे हैं। निगरानी से बचने के लिए ये मंच सुरक्षा के स्तर के मामले में एक-दूसरे से अलग होते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस चलन के तहत आतंकी अब व्हाट्सऐप, फेसबुक मैसेंजर और सिग्नल जैसे आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले सोशल मीडिया ऐप से दूरी बना रहे हैं।

सुरक्षा अधिकारियों ने पाया कि घाटी में आतंकी आका और भर्ती किए गए लोग ऐसे विशेष ऐप का इस्तेमाल कर रहे थे, जो धीमी 2जी या एज नेटवर्क गति पर भी काम करते हैं। इनमें से कुछ ऐप पर पंजीकरण के लिए उपयोगकर्ता को फोन नंबर या ईमेल तक उपलब्ध कराने की जरूरत नहीं होती।

सुरक्षा बलों द्वारा विदेशी कंपनियों से जारी वर्चुअल सिम कार्ड के इस्तेमाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीतापुरा के दो केन्द्रों पर नीट पीजी का री-एग्ज़ाम 5 सितम्बर को

जयपुर, 30 अगस्त। सीतापुरा स्थित आईऑन डिजिटल ज़ोन के दो परीक्षा केंद्रों पर बिजली आपूर्ति बाधित होने से रविवार को नीट पीजी-2026 की परीक्षा पूरी नहीं हो सकी। प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए नेशनल बोर्ड ऑफ

- **बिजली आपूर्ति में व्यवधान के कारण इन केन्द्रों पर रविवार को परीक्षा पूरी नहीं हो सकी।**

एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने 5 सितंबर 2026 को दोपहर 3 बजे जयपुर में री-एग्ज़ाम कराने का निर्णय लिया है। परीक्षा केंद्र की जानकारी अलग से जारी की जाएगी और अभ्यर्थियों को नए रिवाइज्ड एडमिट कार्ड दिए जाएंगे।

आईऑन डिजिटल जोन के परीक्षा केंद्र संख्या 41682 और 41683 पर आंतरिक बिजली आपूर्ति में खराबी के कारण परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित हुई। कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)